मानवेंद्र सिंह और रमेश मीणा को दी राहुल गांधी ने पूरी तवज्जो, रफीक खान को मिली फटकार

अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष से भी चर्चा की राहुल गांधी ने

- रघुवीर मीणा के चोट लगी, मदन प्रजापत यात्रा में 500 किलोमीटर से ज्यादा नंगे पांव ही चलेंगे।

जयपुर, 5 दिसम्बर (का.प्र.)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का राजस्थान में पहला दिन था और इसकी शुरुआत में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ,पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास सहित अन्य नेताओं के साथ हुई । लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतता गया, राहुल गांधी ने कुछ नेताओं को अतिरिक्त तवज्जो देते हुए उनसे चर्चा की। एक विधायक को राहुल गांधी का गुस्सा भी झेलना पड़ा।

राहुल गांधी ने पहले दिन जिन लोगों को सर्वाधिक तवज्जो दी, उनमें पंचायत राज मंत्री रमेश मीणा प्रमुख रहे। राहुल गांधी ने चलते-चलते उनके साथ काफी लंबी बातचीत की। इस दौरान राहुल रमेश मीणा के कंधे पर हाथ रखकर कुछ पूछते भी नजर आए। रमेश मीणा काफी देर तक उन्हें कुछ समझाते हुए देखे गए। इस दौरान एक तरफ मंत्री प्रमोद जैन भाया भी चल रहे थे। राजस्थान अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष आबिद कागजी को सचिन पायलट ने आगे बुलाकर राहुल गांधी से परिचय करवाया तो राहुल गांधी ने आबिद कागजी से भी करीब 3 से 4 मिनट तक चर्चा की। इसके अलावा सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति के रूप में झालरापाटन विधानसभा सीट से वसुंधरा राजे के सामने चुनाव लड़ने वाले सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह से राहुल गांधी ने शाम को सबसे लंबे समय तक बात की। शाम के सैशन में राहुल गांधी, मानवेंद्र सिंह के साथ में करीबन 10 से 15 मिनट तक लगातार बात करते हुए चलते दिखे। इनके अलावा बीच-बीच में कई मंत्री विधायक भी राहुल गांधी के पास आकर उनका अभिवादन करते रहे।

भारत जोड़ो यात्रा के सुबह के सैशन में जयपुर के आदर्श नगर से कांग्रेस विधायक रफीक खान को राहुल गांधी ने फटकार दिया। राहुल चलते-चलते किसी से चर्चा कर रहे थे, इसी दौरान विधायक रफीक खान बीच-बीच में टोकाटाकी करने लगे तो इस बात पर राहुल गांधी नाराज हो गए। वीडियो में स्पष्ट नजर आ रहा है कि राहुल की फटकार के बाद विधायक रफीक खान झेंप गए और गांधी से कुछ दूरी पर चलने लगे। इतना ही नहीं पीछे से सुरक्षा गार्ड ने आकर भी रफीक खान को एक तरफ किया। यह खबर जब मीडिया में प्रसारित होने लगी तो खुद रफीक खान ने ट्विटर पर आकर इसका खंडन किया कि यह भ्रमित करने वाली खबर है। ऐसा कुछ नहीं हुआ, जबकि वीडियो में सब कुछ स्पष्ट नजर आ रहा है।

यात्रा के दौरान ही कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य रघुवीर मीणा चोटिल हो गए, जिन्हें स्थानीय अस्पताल में ले जाना पड़ा। दरअसल भीड़ के अत्यधिक दबाव में रघुवीर मीणा को धक्का लगा और उनका हाथ एक पत्थर पर लगा। उनके हाथ में चोट लगी और खून आने लगा। उन्हें तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां उनके घाव पर टांके लगाने पड़े।

यात्रा के राजस्थान चरण में कांग्रेस के एक विधायक नंगे पांव चलते रहेंगे। पचपदरा से कांग्रेस विधायक मदन प्रजापत राहुल गांधी की यात्रा में नंगे पैर चल रहे हैं। दरअसल बालोतरा को जिला बनाने तक मदन प्रजापत ने रहने की घोषणा विधानसभा में की थी। प्रजापत बजट सत्र के बाद से बिना जूते- चप्पल ही चल रहे हैं। मदन प्रजापत प्रदेश यात्री के तौर पर नंगे पैर राजस्थान में 500 से ज्यादा किलोमीटर तक चलेंगे।

सफाई पर निगम आयुक्त की कोर्ट में पेशी

- हाई कोर्ट ने दोनों निगमों के आयुक्तों को सफाई की स्थिति पर हलफनामा पेश करने को कहा।

जयपुर, 5 दिसंबर। शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर सोमवार को ग्रेटर और हैरिटेज निगम आयुक्त हाईकोर्ट में पेश हुए। दोनों अधिकारियों ने कोर्ट में शपथ पत्र पेश कर सफाईकर्मियों और सफाई की जानकारी दी। वहीं अदालत ने दोनों अधिकारियों को आगामी तारीख पर व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट देते हुए न्यायमित्र को जवाब पेश करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया है। न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव और न्यायाधीश विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश मामले में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान न्यायमित्र विमल चौधरी ने कहा कि, शहर में आठ हजार से ज्यादा सफाई कर्मचारी हैं, लेकिन सफाई के हाल बेहाल हैं। वहीं नगर निगमों की ओर से कहा गया कि, शहर में सफाई कराई जा रही है और हर जगह सफाईकर्मी तैनात है। इस पर अदालत ने दोनों अधिकारियों को व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट देते हुए मामले की सुनवाई तीन सप्ताह बाद तय की है।

सिर्फ भारत जोड़ो यात्रा से ही मजबूत नहीं होगी झालावाड़ की कांग्रेस?

- लगातार हारने वालों को टिकट देना और गुटों में बैठे लोगों को तवज्जो देना कांग्रेस को खड्डे में ले गया इस जिले में।
- पहले यहां अशोक गहलोत और सचिन पायलट का गुट था, अब प्रमोद जैन भाया के समर्थक अलग झंडा उठाए घूम रहे हैं, भारत जोड़ो यात्रा के होर्डिंग पोस्टर में भी यही गुटबाजी नज़र आ रही है।

जयपुर, 5 दिसम्बर (का.प्र.)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में प्रवेश कर चुकी है। राजस्थान में जिस क्षेत्र से राहुल गांधी ने प्रवेश किया है, वह क्षेत्र शुरू से ही भाजपा का गढ़ रहा है और खास तौर पर वह झालावाड़ जिला, जहां सत्ता में होने के बावजूद कांग्रेस के हाथ खाली रहे हैं। झालावाड़ में वसुंधरा राजे का ही दबदबा रहा है सिर्फ 2015 में ही राजे के मुख्यमंत्री होने के बावजूद कांग्रेस के अनिल पोरवाल नगर पालिका के अध्यक्ष बनने में कामयाब रहे थे। झालावाड़ में कांग्रेस सिर्फ 1998 में 5 में से 4 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल कर पाई थी। इसके अलावा अधिकांश बार कांग्रेस यहां से खाली हाथ ही रही है।

जब 2018 में कांग्रेस को राजस्थान में सत्ता मिली तब भी झालावाड़ जिले की सभी सीटों पर भाजपा काबिज हुई है। इसका कारण यह रहा है कि यहां कांग्रेस लगातार उन्हीं हारे हुए नेताओं को टिकट देती रही है, जिन्हें जनता बार-बार नकार रही है। ऐसा नहीं है कि यहां कांग्रेस बहुत कमजोर है और भाजपा बहुत ज्यादा मजबूत है, बल्कि इसका कारण यह है कि स्थानीय स्तर पर पार्टी भारी गुटबाजी से ग्रस्त है। यहां से प्रमोद जैन भाया, वर्तमान में मंत्री हैं, उनकी पत्नी उर्मिला जैन भाया, वर्तमान में बारां की जिला प्रमुख हैं। भाया संसदीय चुनाव भी लड़ चुके हैं। स्थिति यह है कि बारां जिले में तो कांग्रेस मजबूत रहती है, जहां से भाया खुद विधायक बनते हैं, जबकि झालावाड़ जिले में कांग्रेस को हमेशा हार का मुंह देखना पड़ता है। वर्तमान में जो हालात हैं, उसमें प्रमोद जैन भाया का भी एक अलग गुट बन गया है। एक गुट सचिन पायलट समर्थकों का है। इन दोनों के बीच में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समर्थक कुछ नेता भी हैं। इन तीनों गुटों के अलावा बहुत सारे कांग्रेसजन ऐसे हैं, जो किसी नेता विशेष के साथ नहीं हैं वे जमीनी स्तर पर तो मजबूत हैं , लेकिन उन्हें ऊपर तवज्जो नहीं मिलती है, क्योंकि उनके सर पर किसी नेता विशेष का हाथ नहीं है।

यही कारण है कि जिस झालावाड़ जिले से भारत जोड़ो यात्रा को लाकर पार्टी मजबूत होने के सपने देख रही है,वहां धरातल पर गुटबाजी दूर किए बिना मजबूती दे पाना असंभव प्रतीत होता है। स्थानीय स्तर पर कांग्रेस के लोगों का कहना है कि यदि यहां कांग्रेस को मजबूत करना है तो उन कांग्रेसजनों को भी मजबूती देनी होगी,जो पार्टी के लिए संघर्ष करते है।

भारत जोड़ो यात्रा के होर्डिंग - पोस्टरों में भी स्थिति समझी जा सकती है कि यहां सुरेश गुर्जर, शैलेंद्र यादव कालू और कुछ अन्य नेता जहां सचिन पायलट का झंडा उठाए चल रहे हैं, वही मीनाक्षी चंद्रावत, पूर्व जिला अध्यक्ष मदनलाल वर्मा, कैलाश मीणा अशोक गहलोत का झंडा उठाए हुए हैं। वही वर्तमान में जिला कांग्रेस अध्यक्ष बनाए गए वीरेंद्र गुर्जर प्रमोद जैन भाया का झंडा उठाए घूम रहे हैं। अब मजेदार बात यह है कि जिस प्रमोद शर्मा को कांग्रेस ने संसदीय चुनाव लड़वाया, वह पहले भी कभी कांग्रेस का झंडा नहीं उठा रहे थे और इस यात्रा में भी वह कहीं नजर नहीं आ रहे हैं।

इन हालात में समझा जा सकता है कि कांग्रेस किस बुरी तरह से झालावाड़ जिले में बंटी हुई है। अब सिर्फ राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा गुजरने भर से झालावाड़ में कांग्रेस मजबूत हो जाएगी, यदि कांग्रेस के नेता यह सोचते हैं तो वह निश्चित तौर पर मुगालते में हैं। जब तक यहां उन कार्यकर्ताओं को जो कि जमीनी स्तर पर लोगों में पकड़ रखते हैं और बिना किसी नेता विशेष का झंडा उठाए पार्टी का झंडा उठाते हैं, उन्हें मौका देने पर ही कांग्रेस यहां जमीनी स्तर पर मजबूत हो सकती है।

प्र.मंत्री के मार्गदर्शन में भाजपा की चुनावी तैयारी शुरु

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को भाजपा की दो दिवसीय मीटिंग का श्री गणेश किया, जिसमें वे आगामी चुनावों के लिए भाजपा नेताओं का मार्गदर्शन करेंगे।

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर। गुजरात विधान सभा चुनाव तथा म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑफ दिल्ली (एम.सी.डी.) के चुनाव समाप्त होते ही, भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को यहाँ एक दो-दिवसीय बैठक बुला ली। इस मीटिंग में भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारी, राज्य-प्रभारी, प्रदेशाध्यक्ष तथा महासचिव शामिल होंगे। प्रधानमंत्री मोदी मीटिंग में लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों की तैयारियों के सम्बन्ध में "मार्ग-दर्शन" प्रदान करेंगे।

मोदी ने मीटिंग में एकत्रित पार्टी नेताओं को प्रेरित प्रोत्साहित करते हुये कहा कि वे चुनाव जीतने के लिये अपने प्रचार-तन्त्र में जमानी रणनीति के रूप में पैदल सैनिकों पर भरोसा करे। उनका गृह राज्य गुजरात, जहाँ दो चरणों में सम्पन्न हुये विधानसभा चुनाव सोमवार को ही समाप्त हुये हैं, 2024 के राष्ट्रीय चुनावों के लिये एक संकेतक का काम करेंगे।

मोदी चाहते हैं कि हिन्दू राष्ट्रवाद पर भाजपा का गौरव मय सोच का लाभ लिया जाये, नये सामाजिक एवं जातिगत गठबन्धन किये जायें तथा महिलाओं और कल्याणकारी योजनाओं पर फोकस किया जाये, अजेय जमीनी कार्यकर्ताओं पर ध्यान दिया जाये तथा प्रत्याशियों के चयन में जीतने की उम्मीद पर कठोरता पूर्वक फोकस रहे, और इसके लिये, पार्टी के शीर्ष नेताओं की इस दो दिन की मीटिंग के समाप्त होते ही ताकतवर चुनाव तन्त्र तैयार किया जाये और चुनावों की तैयारी पूरे दमखम से शुरू कर दी जाये।

चुनाव-तन्त्र का प्रबन्धन उनके गृहमंत्री अमित शाह सँभालेंगे, जो चुनाव-प्रबन्धन के मामले में, पार्टी के सर्वमान्य रणनीतिकार के रूप में उभर कर आ चुके हैं। वे निजी तौर पर जमीनी जानकारी प्राप्त करने के लिये प्रोफेशनल टीमों पर विश्वास करेंगे तथा उसी जानकारी के आधार पर पार्टी नेताओं द्वारा दी गई जानकारी की क्रॉस चैकिंग करेंगे।

'मैं यहां मंत्री - विधायकों का तामझाम, सरकारी व्यवस्थाएं देखने नहीं, सीधे लोगों से मिलने आया हूं'

राहुल गांधी के इतना कहते ही, मुख्यमंत्री को पुलिस तथा सरकारी तामझाम को पीछे होने के लिए कहना पड़ा

- दरअसल ऐसा इसलिए हुआ कि, जब राहुल गांधी सुबह यात्रा की शुरुआत करने आए, तब यात्रियों से ज्यादा सरकारी गाड़ियों का तामझाम और पुलिस नजर आई।
- शाम को नुक्कड़ सभा में बोले राहुल गाँधी, बिना सीता के राम नहीं, बिना राम के सीता माता नहीं, लेकिन बीजेपी आर.एस.एस. के लोग माता सीता को राम से अलग करते हैं।

जयपुर, 5 दिसम्बर (का.प्र.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी देश के लोगों की नब्ज टटोलने तथा अपने मन की बात बताने भारत जोड़ो यात्रा लेकर निकले हैं। राजस्थान वह पहला प्रदेश है, जहां कांग्रेस का शासन है। ऐसे में यात्रा को सफल बनाने के साथ सरकार का तामझाम होना लाजमी है, लेकिन इस तामझाम के चक्कर में उम्मीद के मुताबिक भीड़ का नहीं होना राहुल गांधी के गुस्से का कारण बन गया।

हुआ यूं कि राजस्थान, चरण के पहले दिन राहुल गांधी सुबह निर्धारित समय पर तैयार होकर आ गए।यात्रा शुरू होती, उस समय तक वहां भीड़ के बजाय बड़ी संख्या में मंत्री - विधायकों सहित सरकारी गाड़ियों का काफिला नजर आया। वही लोगों और राहुल गांधी के बीच में पुलिस का तीन स्तरीय जाप्ता भी था। इस कारण भी लोग राहुल गांधी तक पहुंचने में असमर्थ थे। ऐसे में राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से पूछा कि, लोग कहां है, तो मुख्यमंत्री ने जवाब दिया कि, गाड़ियों के पीछे लोग हैं। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि मैं यहां मंत्री - विधायकों का तामझाम और सरकारी व्यवस्थाएं देखने नहीं आया हूं, बल्कि मैं सीधे लोगों से मिलने आया हूं। इसके बाद खुद मुख्यमंत्री को पुलिस को पीछे हटने के लिए कहना पड़ा। इसके बाद भारत यात्री प्रदेश यात्री सहित अन्य यात्री आए और यात्रा का सुबह का पहला चरण शुरू हो पाया।

राहुल गांधी की भारत जोडो यात्रा के राजस्थान चरण के पहले दिन यात्रा ने करीब 32 से 33 किलोमीटर का रास्ता तय किया। सुबह के सत्र में जहां राहुल गांधी ने काली तलाई से बाली बोरडा तक करीब 14 किलोमीटर का रास्ता तय किया, वही बाकी का रास्ता दोपहर के विश्राम के बाद तय किया। दूसरे फेज में यात्रा शाम झालरापाटन के चंद्रभागा चौराहा पहुंची। यहां नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा मुश्किल नहीं है। 3700 किलोमीटर से ज्यादा हमारे मजदूर-किसान चलते हैं, वे ज्यादा मुश्किल काम करते हैं। अपना खून पसीना देश को देते हैं। सच्चे तपस्वी मजदूर और किसान हैं। केंद्र सरकार देश के तपस्वियों के हितों के खिलाफ काम करती है।

राहुल गांधी ने एक बार फिर बीजेपी आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि यह लोग जय श्रीराम बोलते हैं। सीता के बिना राम नहीं हो सकते। राम के बिना सीता माता नहीं हो सकतीं। अपने नारे से बीजेपी आरएसएस ने सीता माता को क्यों निकाला ? वे लोग जय सियाराम क्यों नहीं बोलते ? राहुल गांधी ने कहा कि आरएसएस के लोगों को जय सियाराम बोलना ही पड़ेगा। उन्हें जय सियाराम कहने से क्या दिक्कत है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि मोदी की नीयत और नीति के कारण भारत टूटने का खतरा बढ़ रहा है। विभाजनकारी विचारधारा देश के लिए बड़ा खतरा है। राजनीतिक तानाशाही तीसरा बड़ा खतरा है। इन तीन खतरों का मुकाबला करने के लिए राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है। जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी की यात्रा चुनाव जिताऊ यात्रा नहीं है, इसका चुनावों में फायदा जरूर हो सकता है। रमेश ने कहा कि कांग्रेस वर्ड पर हमें पेटेंट करवाना चाहिए था, यह गलती हमारी है। आज देखिए कितनी कांग्रेस खडी हो गई है देश में कांग्रेस नाम से।

वाईएसआर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, नेशनलिस्ट कांग्रेस। कांग्रेस को इससे नुकसान हुआ है। यही मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि मीडिया ने राहुल गांधी की भारत जोडो यात्रा का बायकाट कर रखा है। जबकि इतना बड़ा उद्देश्य लेकर यात्रा चल रही है उन्होंने कहा कि मीडिया के भी आलाकमान होते हैं। मीडिया के लोग जो खबर ले जा कर देते हैं वे उसे नहीं दिखाते हैं लेकिन यह ठीक नहीं है।

'न्यायपालिका ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उच्च न्यायालय में जज क्यों नहीं बनाया गया? इसके अलावा, सर्वोच्च न्यायालय के उन बहुत से जजों पर यह आरोप लगाना भी अनुचित है कि वे संविधान को एक भिन्न अर्थ दे रहे हैं। और, नेशनल जुडिशियल अपॉइन्टमेन्ट्स कमीशन (एन.जे.ए. सी.) अधिनियम के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने यह ठान लिया है कि इस मामले में उसकी मर्जी ही चलेगी।

विधिमंत्री किरेन रिजिजू द्वारा कोलीजियम व्यवस्था को संविधान के प्रतिकूल बताये जाने पर सवाल खड़ा करते करते हुये, न्यायमूर्ति लोकुर ने कहा, "कोलीजियम व्यवस्था सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सात साल की अवधि में दिये गये फैसलों का परिणाम है। यह रातों-रात अस्तित्व में आई चीज नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय के 9 जजों का बैंच द्वारा दिये फैसले में की गई संविधान की व्याख्या के फलस्वरूप, कोलीजियम का वर्तमान स्वरूप अस्तित्व में आया। सर्वोच्च न्यायालय के इतने सारे जजों पर यह आरोप लगाना गैरवाजिब है। कि उन्होंने संविधान की प्रतिकूल व्याख्या की थी।सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व जज ने कहा, "जज, कोलीजियम व्यवस्था से पहले भी, सदैव स्वतन्त्र रहे हैं । सरकारों और मन्त्रियों को कई बार यह अच्छा नहीं लगता था, वे इसे स्वीकार एवं सहन करते रहे। भारत के मुख्य न्यायाधीश को प्रमुखता एवं महत्ता दी जाती रही। आज ऐसा नहीं है। ऐसा लगता है कि कार्यपालिका नहीं चाहती कि जज स्वन्तत्र रहें, वह प्रतिबद्ध न्यायपालिका चाहती है। अगर वह (सरकारे) अपने इन गलत मंसूबों में सफल हो जाती है, तो भारत में स्वतन्त्र न्यायपालिका नहीं रहेगी और वह स्थिति हम सब के लिये हानिकारक होगी।"

बेटे ने बूढ़ी मां को कुल्हाड़ी से काट दिया

जयपुर में उपचार के दौरान वृद्धा शीला देवी की मौत हो गई

- मामला जमीन बेचने से मिले पैसों का है। वृद्धा सारी रकम अपने तीनों बेटों में बांटना चाहती थी, पर, बीच वाला बेटा, आरोपी मुकेश यादव सारी रकम खुद रखना चाहता था इसलिए उसका मां से विवाद चल रहा था।
- वृद्धा के बड़े व छोटे बेटे ने अपने भाई मुकेश यादव के खिलाफ प्रागपुरा थाने में मामला दर्ज करवाया।

पावटा, 5 दिसम्बर (निसं)। पावटा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत द्वारिकपुरा की ढाणी चौलावा तन जीणगौर में एक कलयुगी बेटे ने अपनी ही वृद्ध मां को मौत के घाट उतार दिया व वारदात को अंजाम देकर घटनास्थल से फरार हो गया। इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। प्रागपुरा थाना पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। वृद्धा के बड़े बेटे खुशीराम ने बताया कि, 12 साल से उनकी मां उसके पास गांव ललाना में रह रही थी। वहीं 3-4 दिन पहले वह अपने दूसरे बेटे मुकेश यादव के पास ग्राम पंचायत द्वारिकपुरा की ढाणी चौलावा तन जीणगौर गई थी। जहां मां शीला देवी पत्नी कबूल यादव ने अपने पति के मरने से पहले जमीन बेची थी जिसकी पूरी रकम अपने बीच के बेटे मुकेश यादव के पास रखी थी। वह उस रकम को तीनो बेटो में बाटने के लिए बीच के बेटे मुकेश यादव से वापस मांग रही थी जिसे लेकर मां व बीच के बेटे मुकेश मे विवाद होता रहता था। रविवार की शाम 4 बजे विवाद इतना बढ़ गया कि तीन बेटों में मंझले बेटे मुकेश ने मां पर तेजधार कुल्हाडी से ताबड़तोड़ वार किए। उसकी मां घर के वहीं सामने आम रास्ते में लहुलुहान होकर गिर पडी। वही आरोपी बेटा हत्या की वारदात को अंजाम देकर मौके पर अपना मोबाइल फेककर फरार हो गया। सूचना पर वृद्धा का बड़ा बेटा खुशी राम व सबसे छोटा बेटा राकेश घटना स्थल पर पहुँचे। वही मौके पर पहुँची दांतिल चौकी व प्रागपुरा थाना पुलिस ने घायल 60 वर्षीय वृद्धा शीला को एंबुलेंस से जयपुर भेजा। जहाँ इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

खराब सी.टी. स्कैन मशीन बेचना सेवा दोष

जयपुर, 5 दिसंबर (का.सं.)। राज्य उपभोक्ता आयोग ने खराब सी.टी. स्कैन मशीन बेचने को सेवा दोष बताते हुए विक्रेता मैसर्स रेड इमेज टैक्नॉलजिज व फर्म के निदेशक दीपक रॉय पर दस लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। इसके साथ ही सी.टी. स्कैन मशीन के लिए गए 1.24 करोड़ रुपए नौ फीसदी ब्याज सहित लौटाने को कहा है। आयोग ने यह आदेश मैसर्स श्रद्धा इमेजिंग रिसर्च सेंटर के परिवाद पर दिए।

परिवाद में कहा गया कि, वर्ष 2015 में परिवादी फर्म ने डायग्नोस्टिक सेंटर स्थापित करने के लिए सी.टी. मशीन की खरीद करने के लिए विपक्षी फर्म व उसके निदेशक दीपक रॉय से संपर्क किया था।

गुजरात -एग्ज़िट पोल
सीटें 182 (बहुमत-92)

सर्वे एजेंसी	भाजपा	कांग्रेस	आप	अन्य
टीवी-9 ऑन द स्पॉट	128	45	4	5
टाइम्स नाओ-ईटीजी	139	30	11	02
जी न्यूज़ बार्क	110-125	45-60	01-05	0-4
एबीपी-सी वोटर	128-140	31-43	3-11	2
इण्डिया न्यूज़-जन की बात	117-140	51-34	13-6	1-2
आज तक-ऐक्सिस माय इण्डिया	129-151	16-30	9-21	2-6

हिमाचल प्रदेश -एग्ज़िट पोल
सीटें 68 (बहुमत-35)

सर्वे एजेंसी	भाजपा	कांग्रेस	अन्य
न्यूज़ 24 टुडेज़ चाणक्य	33	33	2
आज तक-ऐक्सिस माय इण्डिया	24-34	30-40	0
इण्डिया न्यूज़-जन की बात	32-40	34-27	2-1
इण्डिया टीवी	35-40	26-31	0-3
एबीपी सी वोटर	33-41	24-32	0-4
रिपब्लिक -पी मारक्यू	34-39	28-33	1-5

भारी दबाव, पर भारत का नाम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फार इन्टरनैशनल रिलीजिवस फ्रीडम (यू.एस.सी.आई.आर.एफ.) जैसे संगठनों के दबाव के बावजूद अमेरिका की "कन्ट्रीज़ ऑफ पर्टिक्यूलर कन्सर्न (सी.पी.सी.) सूची में शामिल ना होने में भारत सफल रहा।

आई.ए.एम.सी. के कार्यकारी निदेशक रशीद अहमद के अनुसार "अमेरिका ने पिछले दो वर्षो से भारत को "कन्ट्री ऑफ पार्टीक्यूलर कन्सर्न" लिस्ट में शामिल नहीं किया है, जिससे अल्पसंख्यकों, खासकर मुस्लिमों के खिलाफ हिंसा करने के उसके हौंसले बुलंद हुए हैं।

भारत के मुस्लिम नरसंहार झेल रहे हैं, इसलिए अमेरिका की सरकार यह बहाना नहीं बना सकती कि उनके भाग्य को लेकर उसकी कोई जिम्मेवारी नहीं है।

यू.एस.सी.आई.आर.एफ. ने भारत और नाइजीरिया को लिस्ट में शामिल ना पर आक्रोश व्यक्त करते हुए अमेरिका के विदेश मंत्रालय पर आरोप लगाया है कि उसने इन दोनों देशों के प्रति आँखे मूंद रखी है, खासतौर पर धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघनों के प्रति।

समाजवादी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बहुल क्षेत्रों में शरीयत लॉ लागू करने के लिए भी कड़ी आलोचना सहनी पड़ी थी। यहां उन्होंने सरकारी स्कूलों में शुक्रवार की छुट्टी की घोषणा की थी।

इस स्तर पर कुमार की बदली रणनीति का कारण संभवतया यह डर है कि उनकी पार्टी के मुख्य समर्थक कोटी, कुर्मी और ई.बी.सी. भाजपा में जा सकते हैं। मोकामा और गोपालगंज में दो विधानसभा सीटों के उपचुनाव जद (यू) के लिए चिंता का कारण हैं। आर.जे.डी. और भाजपा ने तकनीकी रुप से अपनी सीट पर कब्जा बरकरार रखा पर जीत का अंतर बदल गया। भाजपा ने गोपालगंज सीट जीत ली और मोकामा सीट पर राजद की जीत का अंतर कम कर दिया। यहां नीतिश कुमार ने प्रचार नहीं किया था सवाल यह है कि नीतिश के वोट आखिर गए कहां?

'चीन सौ पुलिस स्टेशन चला रहा है, विश्व के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संयुक्त नीतिगत शुरूआतों ने चीन के विदेशी पुलिस स्टेशनों के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ग्रुप के रहस्योद्घाटनों से पूर्व तक इनके बारे में पता नहीं था।

ग्रुप के ताजा दावों में से एक पर यह है कि पेरिस के एक उपनगर स्थित चीन के पुलिस स्टेशन में छद्म रूप से काम कर रहे लोगों ने चीनी मूल के एक नागरिक को स्वदेश लौटने के लिए मजबूर किया। इन लोगों को इसी उद्देश्य के लिए नियुक्त किया गया था। ग्रुप ने इससे पहले भी यह बताया था कि सर्बिया और स्पेन में अपना निर्वासन काट रहे चीन के दो लोगों को पुनः स्वदेश लौटने के लिए बाध्य किया गया।

सेफगार्ड डिफैण्डर्स, जो कि कथित मानवाधिकार उल्लंघनों के प्रमाण में चीन के अधिकारिक दस्तावेजों का खुलासा करता है, ने कहा कि उसने दुनिया के चार कोनों में विस्तृत कम से कम 53 देशों में चीन के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्राल के विभिन्न चार पुलिस क्षेत्राधिकारों को चिन्हित किया है। जाहिर तौर पर इनका उद्देश्य चीन के प्रवासी लोगों की विदेशों में मदद करना है।

बीजिंग ने इसका खण्डन किया है कि वह अपने देश से बाहर अघोषित पुलिस बलों का संचालन कर रहा है। चीन के विदेश मंत्रालय ने गत नवम्बर माह में सी.एन.एन. का बताया था कि "हम उम्मीद करते हैं कि प्रासंगिक पक्ष तनाव पैदा करने वाले प्रचार बंद कर देंगे।

इनके बहाने से चीन को बदनाम करना अस्वीकार्य है।" इसके बजाए, चीन के दावा किया है कि उक्त सुविधाएं उनकी एडमिनिस्ट्रेटिव हब्स हैं जिन्हें चीन के प्रवासियों की मदद के लिए गठित किया गया है, जैसे कि उनके ड्राइवर लायसैंस को रिन्यू करवाना। उसने कहा कि उक्त ऑफिस कोविड-19 की वैश्विक महामारी के कारण खोले गए क्योंकि इस महामारी में कई नागरिक चीन से बाहर अन्य देशों में लॉकडाउन में थे और अपने दस्तावेजों को रिन्यू करवाने में असमर्थ थे।

सी.एन.एन. ने जब सेफगार्ड डिफैण्डर्स के मूल आरोपों को लेकर पिछले माह चीन से प्रश्न किया तो वहां के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसके कार्यकर्ता ही विदेशों में स्थित स्टेशनों के स्टाफकर्मी हैं। हालांकि ग्रुप की नवीनतम रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि जिस पुलिस नैटवर्क की उसने जांच की उसने शुरुआत में गठित अपने 21 स्टेशनों के लिए 135 लोग हायर किए थे।

किसी देश की आधिकारिक कूटनीतिक मिशन्स के अलावा अघोषित वाणिज्य दूतावास गतिविधियां तब तक नितांत असाधारण और अवैध मानी जाती हैं, जब तक कि मेजबान देश इसकी स्पष्ट मंजूरी ना दे दे,और सेफगार्ड डिफैण्डर्स की रिपोर्ट दावा करती है कि चीन के विदेशी पुलिस स्टेशन वैश्विक महामारी के काफी वर्ष पूर्व से चल रहे हैं।

ग्रुप की रिपोर्ट्स ने अब तक कम से 13 देशों में जांच-पड़ताल को प्रेरित किया है और इन्हें लेकर कैनेडा जैसे देशों और चीन के बीच तीव्र कूटनीतिक विवाद बढ़े हैं। कैनेडा में बड़ी संख्या में चीन के प्रवासी रहते हैं।

राहुल की यात्रा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और तीनों नेताओं के फोटो लगाए गए जिसमें मोदी के साथ वसुंधरा राजे और उनेक प्रतिद्वंदी सतीश पूनिया के फोटो थे।

भारत जोडो यात्रा वसुंधरा की सीट झालावाड़ से राजस्थान के प्रविष्ट हुई और यहां भारी भीड़ जुटी।

भारत जोडो रैली का रूट मैप यह दर्शाता है कि यह झालावाड़, कोटा, बून्दी सवाई माधोपुर, दौसा, और अलवर से गुजरेगी, यहां अभी भाजपा काबिज है। इसलिए वे इसे शेर को उसकी ही मांद में घेरने की संज्ञा दे रहे हैं।

रोचक बात है कि राहुल गांधी 15 दिसम्बर को दौसा के लालसोट में किसानों से बात करेंगे और 19 दिसम्बर को अलवर के मालाखेड़ा में जनसभा को संबोधित करेगें। झालावाड़ के स्वागत के समय राहुल ने कहा कि किसानों के साथ मिलकर, उनके साथ चलकर हाय मिलाकर ही उन्हे जाना जा सकता है। यह काक हैलिकाप्टर में नही हो सकता।

रोचक बात है कि 9 दिसम्बर को अपन 76वां जन्मदिन सोनिया गांधी कोटा में मनाएंगी। कोटा क्यों ! क्योंकि कोटा भारत की नई पीढ़ी का केद्र है यहां के विभिन्न कोचिंग संस्थानों में देशभर के युवा पढ़ते हैं। इसके लिए कोटा विश्व विख्यात है। इधर भाजपा खुले आम टुकड़े टुकड़े हो रही है और अशोक गहलोत और उनके कट्टर प्रतिद्वन्दी के बीच सार्वजनिक रूप से प्रेम प्रदर्शन हो रहा है। यकीनन इसमें राहुल की अहम भूमिका है।

ताजमहल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कैसी जनहित याचिका है?" उन्होंने हैरानी जताई कि एतिहासिक तथ्य सही हैं या गलत यह कोर्ट कैसे तय कर सकता है। कोर्ट ने याचिकाकार्ता को याचिका वापस लेने की अनुमति दी और उसे ए.एस.आई. में निवेदन करने की अनुमति दी। दो माह पहले भी सर्वोच्च कोर्ट ने ऐसी ही एक याचिका खारिज कर दी थी जिसमे ताज महल की असली कहानी उजागर करने और सीक्रेट चैम्बर्स खुलवाने की मांग की गई थी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभ्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908